सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 192 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 18 अगस्त, 2023

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलो।
-डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

पता नहीं किसको खुश करना... 7 | नए आकाश की तलाश में... 3 | बुंदेलखंड में कहीं नहीं दिखा भाजपा... 2

पढ़े-लिखे को वोट देने की अपील शिक्षक पर पड़ी भारी

» शिक्षण संस्थान ने किया बर्खास्त, सियासत भी गरमाई

» आप और कांग्रेस ने किया टीचर का समर्थन

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक शिक्षक द्वारा पढ़े-लिखे लोगों को वोट देने की अपील उसके बाद उसकी बर्खास्तगी को लेकर सियासी गलियारे में घमासान मच गया है। आप व कांग्रेस ने एकेडमी की कार्रवाई पर आपत्ति करते हुए सरकार पर हमला बोला है। हालांकि सांगवान ने कोई नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया पर कई लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने वाले आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के हालिया बयानों की तुलना की।

ज्ञात हो कि डिजिटल एजुकेशन प्लेटफॉर्म अनएकेडमी ने एक शिक्षक, करण सांगवान को बर्खास्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि करण सांगवान ने छात्रों से शिक्षित उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसे लोगों को वोट ना दें जो केवल नाम बदलना जानते हो। हालांकि, संस्था की ओर से सफाई भी आई है। यूनीएकेडमी के सह-संस्थापक रोमन सैनी ने कहा कि सांगवान आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे थे और इसलिए कंपनी को उनसे अलग होना पड़ा। सैनी ने एक ट्वीट में कहा कि अनएकेडमी एक शिक्षा मंच है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है।

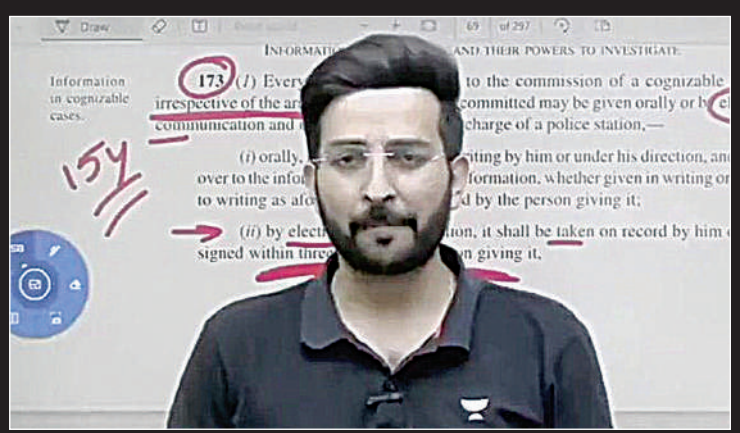

सांगवान ने नए आईपीसी बिल पर की थी चर्चा

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर वायरल हो रहे एक वीडियो में सांगवान को छात्रों से अच्छे शिक्षित राजनेताओं को चुनने के लिए कहते हुए सुना गया था। शिक्षक स्पष्ट रूप से ब्रिटिश-युग आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए हालिया बिल पर चर्चा कर रहे थे। इस बात पर अफसोस जताते हुए कि आपराधिक कानूनों पर उनके द्वारा तैयार किए गए सभी नोट्स बेकार हो गए, सांगवान ने कहा, कि यहां तक ,कि मुझे भी नहीं पता कि हंसूं या रोऊं क्योंकि मेरे पास भी बहुत सारे केसलोएड और नोट्स हैं जो मैंने तैयार किए थे। यह हर किसी के लिए कठिन काम है। आपके हाथ भी नौकरी लग गयी। वह आगे कहते हैं, लेकिन एक बात का ध्यान रखें। अगली बार किसी ऐसे व्यक्ति को वोट दें जो पढ़ा-लिखा हो ताकि आपको दोबारा इस (परीक्षा) से न गुजरना पड़े। ठीक है? उन्होंने कहा कि किसी ऐसे व्यक्ति को चुनें जो शिक्षित हो, जो चीजों को समझता हो। किसी ऐसे व्यक्ति को न चुनें जो केवल नाम बदलना जानता हो। अपना निर्णय ठीक से लें।

कांग्रेस ने अनएकेडमी के संस्थापक व पीएम की सेल्फी पोस्ट की

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने अनएकेडमी पर निशाना साधा और सैनी के पुराने ट्वीट्स के स्क्रीनशॉट पोस्ट किए, जिसमें नोटबंदी को भ्रष्ट लोगों पर सर्जिकल स्ट्राइक बताया गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अनएकेडमी के संस्थापक गौरव मुंजाल की एक सेल्फी भी पोस्ट की गई।

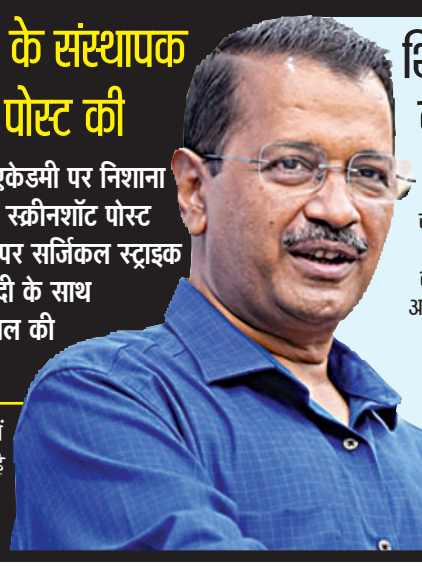

शिक्षित व्यक्ति के लिए वोट मांगना अपराध नहीं : केजरीवाल

सांगवान की बर्खास्तगी की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने आश्चर्य जताया कि क्या लोगों से एक शिक्षित व्यक्ति के लिए वोट मांगना अपराध है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि क्या पढ़े लिखे लोगों को वोट देने की अपील करना अपराध है? यदि कोई अनपढ़ है, व्यक्तिगत तौर पर मैं उसका सम्मान करता हूँ। लेकिन जनप्रतिनिधि अनपढ़ नहीं हो सकते। ये साइंस और टेक्नोलॉजी का ज़माना है। 21वीं सदी के आधुनिक भारत का निर्माण अनपढ़ जनप्रतिनिधि कभी नहीं कर सकते।

कक्षा व्यक्तिगत राय और विचार साझा करने की जगह नहीं : सैनी

रोमन सैनी ने कहा कि ऐसा करने के लिए हमने अपने सभी शिक्षकों के लिए एक सख्त आचार संहिता लागू की है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे शिक्षार्थियों को निष्पक्ष ज्ञान तक पहुंच प्राप्त हो। हम जो कुछ भी करते हैं उसके केंद्र में हमारे शिक्षार्थी होते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कक्षा व्यक्तिगत राय और विचार साझा करने की जगह नहीं है क्योंकि वे उन्हें गलत तरीके से प्रभावित कर सकते हैं। वर्तमान स्थिति में, हमें करण सांगवान से अलग होने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वह आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे थे। इस बीच, सांगवान ने घोषणा की कि वह 19 अगस्त को अपने यूट्यूब चैनल पर विवाद के बारे में विवरण साझा करेंगे।

राजद नेता प्रभुनाथ सिंह डबल मर्डर केस में दोषी करार

» सुप्रीम कोर्ट का फैसला पहली सितंबर को होगा सजा का एलान

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राजद के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को डबल मर्डर केस में दोषी करार दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने राजेंद्र राय व दरोगा राय हत्याकांड मामले में पटना हाई कोर्ट के फैसले को पलट कर प्रभुनाथ सिंह को दोषी करार दिया है। जानकारी के मुताबिक, छपरा के मशरक में साल 1995 के चुनाव में कहे अनुसार वोट नहीं देने पर राजेंद्र राय व दरोगा राय की हत्या कर दी गई थी।

इस मामले में आरोपी प्रभुनाथ सिंह को निचली अदालत ने रिहा कर दिया था। पटना हाईकोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा था। पटना हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने प्रभुनाथ सिंह को दोषी करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट में सजा के बिंदु पर सुनवाई एक सितंबर को होगी।

नहीं थम रही मणिपुर की हिंसा, तीन की मौत

» उखरुल में हथियारबंद बदमाशों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, सुरक्षा बढ़ी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के उखरूल जिले में आज तड़के ताजा हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई। पीड़ित सशस्त्र बदमाशों के साथ गोलीबारी में मारे गए। मणिपुर के उखरुल जिले के थोवई कुकी गांव में भारी गोलीबारी हुई। पीड़ित सशस्त्र बदमाशों के साथ गोलीबारी में मारे गए। मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर के उखरुल जिले के थोवई कुकी गांव में भारी गोलीबारी हुई, जिसमें तीन ग्रामीणों की मौत हो गई।

सूत्रों के मुताबिक, आज सुबह गांव से भारी गोलीबारी की आवाजें आने के बाद तीन लोगों के लापता होने की खबर है। जल्द ही, ग्रामीणों ने तलाश शुरू की और बाद में उनके शव मिले। पीड़ितों की पहचान जामखोगिन हाओकिप (26), थांगखोकाई हाओकिप (35) और हॉलेंसन बाइट (24) के रूप में की गई है। यह घटना हिंसा प्रभावित मणिपुर की ताजा घटना है, जहां 3 मई को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद जातीय झड़पें हुईं। हिंसा भड़कने के बाद से 120 से अधिक लोग मारे गए हैं और 3,000 से अधिक घायल हुए हैं। हिंसा को नियंत्रित करने और राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए मणिपुर पुलिस के अलावा लगभग 40,000 केंद्रीय सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

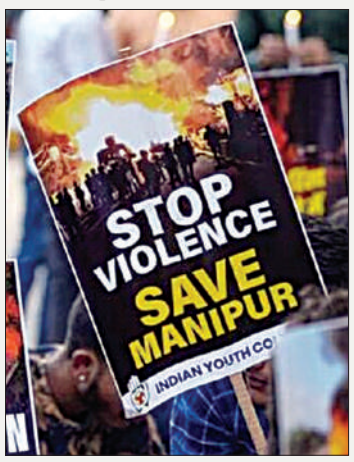

बुंदेलखंड में कहीं नहीं दिखा भाजपा का विकास : अखिलेश

» बोले- न डिफेंस कॉरिडोर दिख रहा, न ही मिसाइल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। बुंदेलखंड जैसा पहले था, सपने दिखाने के बाद भी वैसा ही दिख रहा है। बांदा जिले में पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को लेकर भाजपा सरकार पर तंज कसा। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार ने 15 हजार करोड़ रुपये खर्च कर करीब तीन सौ किलोमीटर लंबा झूला तैयार कर दिया। हमारी सरकार में बनाए गए आगरा एक्सप्रेसवे पर प्लेन उतर सकता है। वहीं, इनके एक्सप्रेसवे की सड़क उद्घाटन के बाद ही धंस गई।

घाटे में चल रहे इस एक्सप्रेसवे में सिर्फ वसूली चल रही है। समाजवादी पार्टी के प्रशिक्षण शिविर में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने ठीक से नकल भी नहीं की। यहां न डिफेंस कॉरिडोर दिख रहा है, न ही मिसाइल। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम, बबेरू विधायक विशंभर सिंह यादव, कर्वी विधायक अनिल प्रधान, पूर्व सांसद व राष्ट्रीय महासचिव विशंभर प्रसाद निषाद, पूर्व सांसद बाल कुमार, जिलाध्यक्ष मधुसूदन कुशवाहा आदि लोग मौजूद रहे। जमीनी हकीकत देखने के लिए मैं हेलीकॉप्टर की बजाय सड़क से आया। तिंदवारी कस्बे में हाईवे पर अन्ना पशुओं का जमावड़ा देखा। ये हाल पूरे बुंदेलखंड का है। हमारी सरकार में बने मेडिकल कॉलेज में आज तक डॉक्टर और स्टॉफ पूरा नहीं कर पाई ये सरकार। मरीज बाहर जाकर इलाज करा रहे हैं। नया 300 बेड का मंडलीय अस्पताल भवन बनने के बाद भी चालू नहीं हो सका। हमने झांसी को स्टेडियम दिया, तो 500 बेड का अस्पताल भी दिया। महंगाई पर बोले कि टमाटर इतना महंगा है कि 30 करोड़ जो पौधे लगाए, हमें लगता है कि छिपाकर टमाटर के पौधे लगा दिए गए हों।

काफिले में चोरों का गिरोह दबोचा

लोक जागरण यात्रा लेकर बांदा आए सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे के समय चोरों के एक गिरोह को पुलिस ने सर्किट हाउस में दबोच लिया। पांच सदस्यीय इस गिरोह के पास से 15 मोबाइल, पर्स और कुछ नकदी बरामद की गई है। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पंडित जेएन कॉलेज ग्राउंड में सपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शिरकत करने गुरुवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आए हुए थे। गाजियाबाद और हरियाणा की दो गाड़ियों में पांच लोग काफिले के साथ शामिल होकर सर्किट हाउस पहुंच गए। कार्यकर्ताओं के मोबाइल और पर्स पार कर दिए। पुलिस की नजर इन पर पड़ गई। पुलिस ने सपा कार्यकर्ताओं की मदद से पांच चोरों को हिरासत में लिया है। उनके कब्जे से मोबाइल, पर्स और कुछ नकदी भी बरामद हुई है। पार्टी कार्यकर्ताओं की मानें तो ये लोग काफी दूर से काफिले के साथ चल रहे थे। जैसे ही काफिला कहीं रुकता वहां पहुंच जाते और चोरी की वारदात को अंजाम दे देते थे। सीओ सिटी गवेंद्र पाल गौतम ने बताया कि दो गाड़ियों में पांच लोग थे। एक गाजियाबाद और दूसरी हरियाणा की गाड़ी का नंबर की है। सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गाड़ियों का पता लगाया जा रहा है।

अनुच्छेद-370 मामले की सुनवाई में सकारात्मक नतीजे निकलेंगे : आजाद

» कपिल सिब्बल से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने उच्चतम न्यायालय के वकील कपिल सिब्बल से मुलाकात की और अगस्त 2019 में अनुच्छेद-370 को निरस्त करने के केंद्र के कदम के खिलाफ उनकी दलीलों की सराहना की। आजाद ने शीर्ष अदालत में मामले के सकारात्मक नतीजे की उम्मीद जताई, जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संवैधानिक प्रावधान को खत्म करने के खिलाफ कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। सिब्बल से मुलाकात के दौरान आजाद ने सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद-370 का बचाव करने के लिए उनकी प्रशंसा की।

पार्टी के एक बयान के अनुसार, आजाद ने सुप्रीम कोर्ट में कुछ याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कपिल सिब्बल से कहा कि आपने अनुच्छेद-370 के मामले को बहुत ही स्पष्टता से प्रस्तुत किया आप शेर की तरह दहाड़ रहे थे। बयान में कहा गया है कि आज़ाद ने सुप्रीम कोर्ट में मामले के सकारात्मक नतीजे की उम्मीद जताई और कहा कि सिब्बल ने जो भी दलीलें पेश कीं, वे जम्मू-कश्मीर की पूरी आबादी की भावनाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। आज़ाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

चीन पर चुप क्यों हैं पीएम: केजरीवाल

» दिल्ली विस सत्र के दूसरे दिन भी भाजपा व आप में नोकझोंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र के दूसरे दिन मणिपुर हिंसा पर सियासत गरम रही। सत्ता पक्ष के मणिपुर हिंसा पर चर्चा कराने के प्रस्ताव का विपक्ष ने विरोध किया। भाजपा विधायकों ने मणिपुर की जगह दिल्ली के हालात पर चर्चा कराने की मांग की। दोनों पक्षों से इस दौरान जुबानी जंग छिड़ गई। हंगामा बढ़ने पर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहीं उपाध्यक्ष राखी बिड़लान ने सदस्यों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहने पर विपक्ष के छह विधायकों को मार्शल से बाहर निकलवा दिया।

दो विधायक खुद ही वॉकआउट कर गए। इसके बाद सदन में मणिपुर हिंसा पर चर्चा हो सकी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने भारत-चीन विवाद, महिला पहलवानों के आंदोलन, हरियाणा में सांप्रदायिक हिंसा समेत दूसरे कई मसलों पर प्रधानमंत्री को कठघरे में खड़ा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश जानना चाहता है कि चीन विवाद पर प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं। उनके मुंह से चीन शब्द नहीं निकलता है, जबकि गलवान घाटी में हमारे 20 जवान शहीद हुए हैं।

» कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष देंगे भाजपा को चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने पूर्व विधायक अजय राय को प्रदेश की कमान सौंप दी है। वाराणसी से राय लगातार पांच बार विधायक रहे हैं। वह वर्तमान अध्यक्ष बृजलाल खाबरी की जगह लेंगे। नवनियुक्त अध्यक्ष ने बताया कि संगठन की सक्रियता और लोकसभा चुनाव में दमदार प्रदर्शन उनकी प्राथमिकता होगी। पार्टी के हर नेता एवं कार्यकताओं के मान- सम्मान की रक्षा की जाएगी।

ज्ञात हो कि कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजलाल खाबरी को सिर्फ 11 माह का कार्यकाल मिला। उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी का भी गठन नहीं किया। खास बात यह है कि उनके कार्यकाल में

कांग्रेस की प्रभारी रहीं प्रियंका गांधी का भी कोई दौरा नहीं हुआ। खाबरी के बदले जाने की करीब दो माह से चर्चा चल रही थी। अब तस्वीर साफ हो गई है। खाबरी का कहना है कि उन्होंने बतौर अध्यक्ष पार्टी को निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उनके कार्यकाल में सपा, भाजपा, बसपा से तमाम नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली है। वह अपनी कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हैं। आगे भी शीर्ष नेतृत्व जो जिम्मेदारी देगा, उसे पूरी जिम्मेदारी से निभाएंगे। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपन की ओर से बृहस्पतिवार को जारी पत्र में अजय राय को अध्यक्ष बनाने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही अध्यक्ष बृजलाल खाबरी और अन्य प्रांतीय अध्यक्षों के कार्यकाल की सराहना की है।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

पूर्व विधायक अजय राय के अध्यक्ष बनने पर पार्टी के तमाम लोगों ने बधाई दी। पार्टी के प्रवक्ता अशोक सिंह ने कहा कि अजय राय के नेतृत्व में नए उत्साह के साथ संगठनात्मक सक्रियता बढ़ेगी। इसी तरह मुकेश सिंह, मनोज यादव, प्रमोद पांडेय आदि ने भी उन्हें बधाई दी। कांग्रेस हाईकमान ने अब तक कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष रहे पूर्व विधायक अजय राय को प्रोन्नति देते हुए प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी वाराणसी से चुनाव लड़ चुके हैं।

घोसी विस उपचुनाव में सपा-भाजपा में कड़ी टक्कर

» नामांकन में जुट रही भीड़, दलित मतदाता होंगे निर्णायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी विधानसभा क्षेत्र में 5 सितंबर को होने वाले मतदान में भाजपा और सपा के बीच कांटे का मुकाबला होने के आसार हैं। बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस ने उप चुनाव में प्रत्याशी नहीं उतारा है। अगड़े तथा पिछड़े मतदाता भाजपा व सपा में बंटने से दलित मतदाता निर्णायक भूमिका अदा करेंगे। घोसी के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के दिन तक जो भी राजनीतिक दल दलित वोट बैंक को साधने में सफल रहा बाजी उसी के हाथ लगेगी।

घोसी उप चुनाव में भाजपा ने सपा छोड़कर पार्टी में शामिल हुए पूर्व विधायक एवं मंत्री दारा सिंह चौहान को ही प्रत्याशी बनाया है। वहीं सपा ने

क्षत्रिय समाज के सुधाकर सिंह पर दांव लगाया है। सुधाकर सिंह 2017 में सपा के टिकट पर चुनाव लड़कर तीसरे और 2019 में निर्दलीय चुनाव लड़कर दूसरे स्थान पर रहे थे। बृहस्पतिवार को नामांकन के अंतिम दिन तक कुल 17 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। घोसी की कुल आबादी करीब 7,02,235 है। उप चुनाव में 4,30,391 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें 2,31,536 पुरूष और 1,98,825 महिला मतदाता है। क्षेत्र में सर्वाधिक करीब 90 हजार दलित मतदाता हैं। इनमें चमार, जाटव, धोबी, खटीक, पासी के मतदाता अधिक हैं। क्षेत्र में करीब 95 हजार मुस्लिम मतदाता बताए जाते हैं इनमें से 50 हजार से अधिक अंसारी हैं। पिछड़े वर्ग में 50 हजार राजभर, 45 हजार नोनिया चौहान, करीब 20 हजार मल्लाह निषाद, 40 हजार यादव, 5 हजार से अधिक कोइरी और करीब 5 हजार प्रजापति समाज के मतदाता हैं। अगड़ी जातियों में 15 हजार से अधिक क्षत्रिय, 20 हजार से अधिक भूमिहार, 8 हजार से ज्यादा ब्राह्मण और 30 हजार वैश्य मतदाता हैं।

नामांकन के अंतिम दिन 13 प्रत्याशी मैदान में उतरे

मऊ की घोसी सीट पर होने वाले विधानसभा के उपचुनाव के लिए बृहस्पतिवार तक 17 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। बृहस्पतिवार को नामांकन के आखिरी दिन 13 प्रत्याशियों ने अपना पर्चा दाखिल किया। इनमें समाजवादी पार्टी के सुधाकर, पीस पार्टी के सनाउल्लाह, बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रवेंद्र प्रताप सिंह, जन अधिकार पार्टी के अफरोज, निर्दलीय चंद्रजीत, निर्दलीय अरविंद कुमार चौहान, राष्ट्रीय जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के अरविंद कुमार चौहान, निर्दलीय विनय कुमार, निर्दलीय रमेश, पीस पार्टी के सलाउद्दीन, निर्दलीय अरविंद कुमार राजभर, निर्दलीय रामअवतार और अवामी पिछड़ा पार्टी के इस्माइल अंसारी शामिल हैं। वहीं बुधवार तक चार लोगों ने नामांकन किया था, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के दारा सिंह चौहान, जनराज्य पार्टी के सुनील चौहान, आम जनता पार्टी (सोशलिस्ट) के राजकुमार चौहान और जनता क्रांति पार्टी (राष्ट्रवादी) के मुन्नी लाल चौहान शामिल हैं। बता दें कि चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक 18 अगस्त को नामांकन पत्रों का परीक्षण होगा, जबकि 21 अगस्त को नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। उपचुनाव के लिए पांच सितंबर को मतदान होगा, जबकि आठ सितंबर को मतगणना का कार्यक्रम है।

नए आकाश की तलाश में चंद्रबाबू

बीजेपी ने डाले डोरे, टीडीपी भी तैयार

- एनडीए में हो सकते हैं शामिल
- समय आने पर करेंगे फैसला
- 24 के लोस व विस पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। दक्षिण भारत में अपने वजूद की की तलाश में जुटी भाजपा वहां पर मजबूत दोस्त बनाने की कवायद में जुट गई है। इसी के मद्देनजर वह आंध्र प्रदेश के सबसे बड़े नेता चंद्रबाबू नायडू को एनडीए में शामिल कराने के सारे जतन कर रही है। हालांकि अभी दोनों खेमों से अधिकारिक रूप से कोई घोषणा नहीं हुई। ऐसा माना जा रहा है दिल्ली बिल पर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने भाजपा का संसद में साथ देकर इसके संकेत दिए थे कि वह किस दिशा में जा रही है। ये भी एक संयोग है टीडीपी ने पीएम मोदी के पहले कार्यकाल में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था पर इस बार आए विपक्ष के प्रस्ताव के खिलाफ उसने वोट किया। वहीं तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने की खबर एक बार फिर चर्चा आ गई है।

राजनीति गलियारों में जोरो-शोरों से चर्चा बनी हुई कि टीडीपी जल्द ही एनडीए में शामिल हो सकता है। हालांकि अटकलों के बीच, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने सही समय आने पर बात करने को कहा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने की उनकी योजना के बारे में पूछे जाने पर नायडू ने कहा कि अभी एनडीए सरकार में शामिल होने के बारे में बात करने का समय नहीं है। मैं सही समय पर इस बारे में बात करूंगा। गौरतलब है, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के संस्थापकों में से एक चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने से केंद्र के इनकार के विरोध में पार्टी छोड़ दी थी। नायडू ने कहा कि अगले साल राजनीति के लिए मेरी भूमिका बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता आंध्र प्रदेश है। यह मेरा बड़ा एजेंडा है। मैं राज्य के पुनर्निर्माण के लिए तैयारी करूंगा। आंध्र प्रदेश की राजनीति में इस वक्त भारी उथल-पुथल है। राज्य में 2024 के लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले सभी दल अपनी-अपनी बिसात बिछाने में लगे हैं। बीते शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की मुलाकात ने सियासी हलकों में नई चर्चा को जन्म दे दिया है। कहा जा रहा है कि पांच साल बाद भाजपा और टीडीपी फिर से साथ आ सकते हैं। क्या अमित शाह और चंद्रबाबू नायडू की ये मुलाकात अचानक हुई है? इससे पहले भी कब 2024 के लिए दोनों दलों के साथ आने की खबरें आईं थीं? चंद्रबाबू नायडू की पार्टी पहले कब-कब किन गठबंधनों के साथ रह चुकी है? आंध्र प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति क्या है? आइये जानते हैं। गृहमंत्री अमित शाह और आंध्रप्रदेश के पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने मुलाकात की। नायडू के आवास पर हुई मीटिंग करीब एक घंटे चली, जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके बाद से चर्चा है कि दोनों पार्टियां 2024 चुनाव एक साथ लड़ सकते हैं। हालांकि, पार्टी के नेताओं ने गठबंधन पर कुछ भी टिप्पणी करने से मना किया है। 2024 में दोनों दलों के साथ आने की चर्चा पहली बार नहीं हो रही है। बीते मार्च महीने से ही इस तरह की अटकलें लगनी शुरू हो गईं थीं। दरअसल, मार्च में टीडीपी की एस. सेल्वी मंगलवार को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में पोर्टब्लेयर नगर परिषद के अध्यक्ष चुनी गईं। सेल्वी भाजपा के समर्थन से अध्यक्ष बनीं। जो एक साल पहले हुए समझौते का अमल था। तब 24 वार्डों वाले पोर्टब्लेयर भाजपा ने 10 सीटें जीतने वाली भाजपा ने किंगमेकर बनकर उभरी दो सीट जीतने वाली टीडीपी के समर्थन से परिषद पर कब्जा किया था। इस वजह से 11 सीट जीतकर भी कांग्रेस नगर परिषद अध्यक्ष पद से दूर रह गई थी। उस वक्त हुए समझौते के मुताबिक एक साल बाद भाजपा ने टीडीपी की सेल्वी को नगर परिषद अध्यक्ष की कुर्सी दे दी। सेल्वी अब दो साल तक इस पद पर रहेंगी।

कई बार पाला बदल चुके हैं नायडू

ये पहली बार नहीं है जब चंद्रबाबू नायडू की चुनाव से पहले नए साथी के साथ जाने की अटकलें लग रही हैं। इससे पहले भी अलग-अलग मौकों पर नायडू साथी बदलते रहे हैं। 1978 में कांग्रेस से अपनी चुनावी राजनीति शुरू की। 1980 में कांग्रेस सरकार में मंत्री भी रहे। 1982 में जब एनटी रामाराव ने कांग्रेस के विरोध में पार्टी बनाई तो भी नायडू कांग्रेस में बने रहे। 1982 के चुनाव में नायडू को हार मिली। वहीं, उनके ससुर राज्य के मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद नायडू रामाराव के साथ हो लिए। 1884 में जब रामाराव सरकार गिराने की कोशिश हुई तो नायडू ने ही गैर-कांग्रेसी विधायकों को एकजुट करके रामाराव की सरकार बचाई। लेकिन, इन्हीं चंद्रबाबू नायडू ने 1995 में अपने ही ससुर को पार्टी से बेदखल कर दिया और पार्टी पर कब्जा करने साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री भी बन गए। 1996 में जब केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकार बनी तो नायडू उस गठबंधन को बनाने वाले अहम चेहरों में थे। वहीं, 1998 में उन्होंने पाला बदला और एडीए के साथ हो लिए। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री बने। 2004 में एनडीए की हार हुई तो नायडू ने इस हार के लिए गुजरात में हुए दंगों और नरेंद्र मोदी की छवि को बाताते हुए एनडीए से किनारा कर लिया। 10 साल बाद 2014 में एक बार फिर नायडू एनडीए के साथ आए।

विशेष राज्य के दर्जे को लेकर एनडीए से अलग हुए थे

2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान करीब दस साल बाद चंद्रबाबू नायडू की पार्टी एनडीए में लौटी थी। 2014 का चुनाव दोनों दलों ने साथ मिलकर लड़ा। लेकिन, 2018 आते-आते दोनों के रास्ते अलग हो गए। बात फरवरी 2018 की है। संसद का बजट सत्र चल रहा था। चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी (टीडीपी) आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हंगामा कर रही थी। बजट में नायडू की पार्टी की मांग का कोई जिक्र नहीं होने के बाद दोनों दलों में तल्खी बढ़ गई। मार्च खत्म होते दोनों दलों के रास्ते अलग हो गए। यहां तक कि टीडीपी मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तक लेकर आ गई थी। पांच साल बाद एक बार फिर दोनों दलों के साथ आने की सुगबुगाहट हो रही है।

जगन मोहन रेड्डी पर वार, बोले- बकवास कर रहे सीएम

अमरावती राजधानी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए टीडीपी प्रमुख ने कहा कि आप (सीएम जगन मोहन रेड्डी) विधानसभा में बैठे हैं। आप सचिवालय में बैठे हैं। आप कैबिनेट बैठक कहां कर रहे हैं? क्या यह अस्थायी है? उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी क्या बकवास कर रहे हैं। पिछले दस वर्षों से वे काम कर रहे हैं। सब कुछ तैयार हो गया। उन्होंने कहा कि हमने आंध्र प्रदेश के लिए विश्व स्तरीय राजधानी की योजना बनाई। मैंने नौ वर्षों के लिए व्यवस्थित रूप से हैदराबाद के लिए सबसे अच्छे पारिस्थितिकी तंत्र में से एक की योजना बनाई। गौरतलब है, आंध्र प्रदेश राज्य को जून 2014 में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विभाजित किया गया था। एपी पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बन गया और आंध्र प्रदेश को दस वर्षों के भीतर अपने लिए एक नई राजधानी ढूंढनी थी। तब तक हैदराबाद दोनों राज्यों की राजधानी रहनी है। इस साल जनवरी में, जगन मोहन ने घोषणा की थी कि विशाखापत्तनम राजधानी बनने जा रहा है, लेकिन किसी भी राज्य विधानसभा चर्चा या किसी आधिकारिक दस्तावेज में इसका कोई उल्लेख नहीं है। बाद में, वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य के सभी हिस्सों में विकास सुनिश्चित करने के लिए राज्य के विभिन्न शहरों में तीन राजधानियां बनाने का निर्णय लिया था। अभी कैसी है आंध्र प्रदेश विधानसभा की स्थिति? आंध्र प्रदेश की 175 सदस्यीय विधानसभा में इस वक्त वाईएसआर कांग्रेस के पास बहुमत है। वाईएसआर कांग्रेस के 147 विधायक हैं। वहीं, मुख्य विपक्षी पार्टी टीडीपी के केवल 19 विधायक हैं। राज्य की अन्य प्रमुख विपक्षी पार्टियों कांग्रेस, भाजपा के एक भी विधायक नहीं हैं। वहीं, अभिनेता पवन कल्याण की पार्टी से भाजपा के साथ गठबंधन है। पवन कल्याण की जनसेना पार्टी (जेएसपी) भाजपा और टीडीपी की नजदीकियों से नाराज बताई जा रही है। पार्टी की ओर से 2024 का चुनाव अकेले लड़ने की भी तैयारी की जा रही है।

देबरॉय के लेख पर भड़का विपक्ष

- संविधान बदलने की बात लिखी
- बोला- आरएसएस व भाजपा की कलई खुली
- आरजेडी व जदयू ने मोदी का घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी के आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन बिबेक देबरॉय ने एक लेख लिखा है, जिसमें उन्होंने देश को नया संविधान दिए जाने की जरूरत बताई है। इसको लेकर सियासत में आग लग गई है। विपक्ष ने आरएसएस व भाजपा को इस मुद्दे पर घेर लिया है। कांग्रेस, जेडीयू, आरजेडी ने लेख को लेकर बीजेपी पर हमला बोला है।

जेडीयू के राष्ट्रीय सचिव राजीव रंजन ने कहा, बिबेक देबरॉय ने जो कहा है उसने बीजेपी, आरएसएस के घृणित सोच को फिर सामने ला दिया है। राजीव रंजन ने कहा, इस तरह की कोशिशों को भारत कभी स्वीकार नहीं करेगा, उन्होंने भारत के संविधान को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान बताया और कहा कि बिबेक देबरॉय चाटुकारिता कर रहे हैं, जेडीयू नेता ने कहा, बिबेक देबरॉय कभी भी आर्थिक नीतियों पर विचार व्यक्त नहीं कर पाते लेकिन दूसरे क्षेत्रों के विषयों पर चर्चा करते हैं जिसकी जानकारी उनको नहीं है। बता दें प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबराय ने अपने लेख में लिखा है कि हमारा मौजूदा संविधान काफी हद तक 1935 के भारत सरकार अधिनियम पर आधारित है। 2002 में संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिए गठित एक आयोग द्वारा एक रिपोर्ट आई थी, लेकिन यह आधा-अधूरा प्रयास था। कानून में सुधार के कई पहलुओं की तरह यहां और दूसरे बदलाव से काम नहीं चलेगा। यह भी कहा है कि हमें पहले सिद्धांतों से शुरुआत करनी चाहिए जैसा कि संविधान सभा की बहस में हुई थ। 2047 के लिए भारत को किस संविधान की जरूरत है? कुछ संशोधनों से काम नहीं चलेगा, हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाना चाहिए और पहले सिद्धांतों से शुरू करना चाहिए, यह पूछना चाहिए कि प्रस्तावना में इन शब्दों का अब क्या मतलब है. समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, न्याय, स्वतंत्रता और समानता हम लोगों को खुद को एक नया संविधान देना होगा।

देबरॉय की जुबान से बुलवाया जा रहा : मनोज झा

वहीं, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा, ये बिबेक देबरॉय की जुबान से बुलवाया गया है, ठहरे हुए पानी में कंकड़ डालो और अगर लहर पैदा हो रही तो और डालो और फिर कहो कि अरे ये मांग उठने लगी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर क्यों नहीं रूक रहे सुरक्षाबलों पर हमले?

गौरतलब हो कि जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी संगठन, के हमलों में भारतीय सेना के 13 जवान शहीद को चुके हैं। हमले के दौरान शहादत देने वाले जवानों के हथियार लूट कर आतंकी भाग निकलते हैं। आतंकी संगठन, पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) यह दावा करता है कि सुरक्षा बल उनकी चाल में फंस कर नुकसान झेल रहे हैं।

सरकार द्वारा बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं कि देश में आतंकी घटनाएं में कमी आई है। जम्मू-कश्मीर से एक रिपोर्ट आ रही है कि वहां पर आतंकी एक ऐसा पैटर्न इस्तेमाल कर रहे जिसमें वह सुरक्षा बलों ऊपर हमला कर उनका हथियार लूट ले जा रहे हैं साथ ही वे इन मुठभेड़ों का वीडियो भी बना रह है। ये बाते सरकार के मंशा पर सवालिया निशान उठा रहे हैं कि आखिर वीडियो बनाने का समय कैसे उनको मिल जा रहा है। गौरतलब हो कि जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी संगठन, के हमलों में भारतीय सेना के 13 जवान शहीद को चुके हैं। हमले के दौरान शहादत देने वाले जवानों के हथियार लूट कर आतंकी भाग निकलते हैं। आतंकी संगठन, पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) यह दावा करता है कि सुरक्षा बल उनकी चाल में फंस कर नुकसान झेल रहे हैं। वे जैसा चाहते हैं, सुरक्षा बलों को उसी तरफ आने पर मजबूर कर देते हैं।

पुंछ हमला हो या राजौरी अटैक, आतंकियों ने दोनों ही हमलों में सुरक्षा बलों को चकमा दिया है। चार अगस्त को कुलगाम के हलान जंगल में आतंकियों की मुठभेड़ में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। अब उस हमले का भी वीडियो जारी किया गया है। उसमें कहा गया है कि उन्हें सेना के इंटेल से नए कैंप की जानकारी मिली। भारी बरसात के बीच दो सप्ताह तक हर पल उस कैंप की गतिविधि को स्टडी किया गया। बता दें कि अगस्त के पहले सप्ताह में कुलगाम के हलान जंगल में आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने सेना के टैंट पर फायरिंग की। उसमें सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। आतंकियों ने शहीद हुए जवानों के हथियार लूट लिए थे। पीएएफएफ ने इस हमले का वीडियो जारी किया है। हालांकि सेना द्वारा ऐसे किसी वीडियो की पुष्टि नहीं की गई है। वीडियो के प्रारंभ में आतंकी संगठन पीएएफएफ ने कुछ पंक्तियां भी लिखी हैं। जम्मू कश्मीर में तैनात केंद्रीय सुरक्षा बलों के एक बड़े अधिकारी का कहना है कि ऐसा कुछ नहीं है। आतंकी मुठभेड़ में दांव लगने की बात होती है। ऐसा सदैव नहीं होता। यह बात ठीक है कि आतंकी संगठन, आर्मी के वाहनों से लेकर उनके कैंपों पर नजर रखते हैं। इसके लिए उन्होंने जगह जगह पर अपने अंडर ग्राउंड वर्कर या स्लीपर सैल तैयार कर रखे हैं। इनकी मदद से उन्हें सुरक्षा बलों की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी मिल जाती है। आतंकी संगठन ने पुंछ में भारतीय सेना के वाहन पर हमला किया था। उसमें पांच जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद राजौरी के कंडी जंगलों में बनी गुफाओं में छिपे आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में भी सेना के पांच जवानों ने शहादत दी। दोनों ही हमलों में पहले आईईडी ब्लास्ट किया गया और फिर जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग की गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अकेलेपन के संत्रास से खोखला होता समाज

अविजीत पाठक

जाति-पाति में बंटा एक समाज, जैसा कि हमारा है, अनेकानेक समस्याओं और विद्रूपताओं का घर होता है गरीबी से लेकर बहुत ज्यादा आर्थिक-सामाजिक असमानता से लेकर, धार्मिक टकराव से लेकर पितृसत्तात्मक हिंसा तक। लेकिन इन दिनों जो एक सवाल ज्यादातर मुझे अक्सर सालता है 'क्या भारतीय समाज के भिन्न तबकों में बढ़ते अकेलेपन से पैदा हुई मनोस्थिति और वजूद पर संकट की आशंका एक अन्य समस्या नहीं?' या फिर, यूके और जापान के 'मिनिस्टर्स ऑफ लोनलीनेस' के शब्दों में, क्या यह समस्या ज्यादातर अमीर और विकसित मुल्कों की है?

खैर, यहां भारत में हम यह दिखावा जारी रख सकते हैं कि परिवार और सगे-संबंधियों से हमारा नाता क्योंकि बहुत मजबूत है, सो इस सामाजिक संबल की वजह से एकाकीपन वैसी गंभीर समस्या नहीं है जिस पर इतनी चिंता की जाए। लेकिन, तथ्य यह है कि हालात तेजी से बदल रहे हैं। और यदि आपकी आंखें सच में खुली हैं और आपके दिल में हमदर्दी है, तो आप इसका मूर्त रूप हमारे बड़े शहरों में फाटक जड़ी कालोनियों में साफ महसूस कर सकते हैं, जब आप वहां 'एकाकियों की भीड़' के पास से गुजरते हैं, तो बुजुर्गों की आंखों में साफ देख सकते हैं कि सुदूर देशों में बसे अपने 'सफल' बच्चों का फोन आने की आस किस कदर है। हां, यहां तक कि उन युवा विद्यार्थियों में भी, जो इस अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में एक गुमनाम और अदृश्य योद्धा की भांति मिथिकीय सफलता पाने की होड़ में भागे चले जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण खोज एवं जनस्वास्थ्य नामक पत्रिका में 2022 में छपे एक अध्ययन के अनुसार भारत में 20.5 फीसदी वयस्क मध्यम दर्जे के अकेलेपन से और 13.3 प्रतिशत अति-एकाकीपन से ग्रस्त हैं। इसके लिए किसी को व्यावसायिक मनोविज्ञान होने की जरूरत नहीं है कि क्यों अकेलापन, जिसका अनुभव अपना वजूद खो बैठे या गुमनामी झेल रहे या विरक्त हुए या फिर वह लोग जो रिश्तों की गर्माइश और देखभाल की नैतिकता के निरंतर ह्रास से खालीपन से भरे हैं। मौजूदा वक्त में एक बड़ा मसला बनता जा रहा है। मिसाल के लिए समय और गति के प्रति बहुत आसक्ति। आज की तेज रफ्तार, मोबाइल फोन और तकनीक चालित दुनिया में घड़ी का हर पल 'उत्पादकता' और 'दक्षता' बढ़ाने के लिए 'उपयोगिता मूल्य' का सोपान बन

चुका है। किसी के पास वह करने की फुर्सत नहीं जो नव-उदारवादी एवं वैश्विक पूंजीवाद के पैमाने पर 'गैर-उत्पादक' प्रयोजन है, मसलन, दोस्त का दोस्त से मिलना और स्वार्थ रहित संवाद या घड़ी-मोबाइल फोन पर नजरें गड़ाए बिना बुजुर्ग माता-पिता से आत्मीय बातचीत या पड़ोसी से साथ बैठकर चाय पीना, सतही विषयों या नकली बातों से इतर गप्प-शप लड़ाना, रुचिकर हंसी-मजाक करना।

कोई हैरानी नहीं, हर चीज जल्दबाजी में करने की हमारी हड़बड़ाहट या समय प्रबंधन के प्रति अत्यधिक आसक्ति ने इस युग की गति को और तीव्र कर डाला है। देखा जाए तो 'हमारे तेज उच्चमार्ग, हवाई अड्डे, हमारे मेट्रो स्टेशन' पर इतराना एक प्रकार की बीमारी का द्योतक हैं। बढ़ी हुई मानसिक हरारत के साथ, हम भागम-भाग में लगे हैं, रुककर सोचने-समझने का वक्त नहीं है, न ही प्रकृति का आनंद लेने या हल्का-फुल्का और तनाव मुक्त महसूस करने का। फास्ट फूड से लेकर डेटिंग एप्लीकेशन्स तक, जीवन के तमाम पहलुओं को जितना हो सके तेजी से हड़प लो। रिश्तों के लिए समय चाहिए होता है, इसके लिए ध्यान, परस्पर देखभाल और सहजता जरूरी है। लेकिन हमारी तरजीहों का क्रम उल्टा है, तभी हम ज्यादा-से-ज्यादा अकेले पड़ते जा रहे हैं। मुम्बई के चर्चगेट स्टेशन या फिर दिल्ली के राजीव चौक मेट्रो स्टेशन की भीड़ में ही नहीं, पूरे सफर में किसी सहयात्री से एक भी शब्द साझा किए बगैर सफर करना या फिर फाटक लगी कालोनी में 1000 वर्ग फुट का आलीशान घर है लेकिन पड़ोस में किसी से जान-पहचान तक नहीं। चौबीसों घंटे चौकीदार, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, कार के लिए निर्दिष्ट जगह, क्लब और स्वीमिंग पूल इत्यादि। फिर भी शायद ही कहीं पड़ोसियों के बीच आत्मीय नाता हो, ज्यादातर का तो नाम तक नहीं जानते, कालोनी के रजिस्टर में या आस-पड़ोस के लोगों के बीच आपकी पहचान घर के नंबर से है। अपनी उम्दा कार, शानदार घर या ऊंचे पद के दंभ भरे दिखावे के बीच खुलकर संवाद का भाव नदारद है। विडंबना देखिए, इंटरनेट और स्मार्टफोन के इस युग में, हम अपने फॉलोवर्स या सबस्क्राइबर्स से तुरंत जुड़ जाते हैं, फेसबुक पर ढेरों मित्र होने से हो सकता है अपनी हैसियत का अनुभव हो। फिर भी, इस आभासीय डिजिटल रिश्तों के बीच, प्रियजनों से आमने-सामने बैठकर बातें करने का जो मजा है वह लुप्त हो गया है।

मैला ढोने से मुक्ति का दिया सुलभ विकल्प

उनके ससुर ने पाठक से कहा, आपको शर्म नहीं आती, पंडित होकर भी टॉयलेट साफ करते फिरते हो। लेकिन बिंदेश्वर पाठक ठान बैठे थे कि उन्हें ऐसा कुछ करना है जिससे सबकी सोच बदली थी। कमोबेश, कुछ ही वर्षों में हुआ भी वैसा ही। जो लोग हंसी उड़ाते थे, बाद में उनकी प्रशंसा करने लगे।

रमेश ठाकुर

कुछ नामचीन इंसान समाज में ऐसी अमिट छाप छोड़ जाते हैं, जिन्हें संसार कभी नहीं भूलता। बल्कि सदियों अपने भीतर उनकी यादों को धरोहर समान संजोकर रखता है। कुछ ऐसा ही औरों से अलहदा जनहित और सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करके गए हैं, भारत में टॉयलेट मैन के नाम से पहचाने जाने वाले बिंदेश्वर पाठक। सामाजिक क्षेत्र में उन्होंने जो कारनामा करके दिखाया, उसे लोग करने से भी कतराते हैं। टॉयलेट साफ करने की बात मात्र से लोग मुंह चिढ़ाने लगते हैं बावजूद इसके उन्होंने देशभर के टॉयलेट को साफ-सुथरा रखने और नये टॉयलेट को बनाने का संकल्प लिया। उस संकल्प को पूरा करके भी दिखाया। अपने मिशन में जब पाठक जुटे तो उनकी हंसी भी लोगों ने खूब उड़ाई जिसमें उनके परिजन भी थे। इतना ही नहीं, एक मर्तबा उनके ससुर ने ये तक बोल दिया था कि अपनी बेटी का ब्याह उन्होंने गलत आदमी से कर दिया।

ससुर ने पाठक से कहा, आपको शर्म नहीं आती, पंडित होकर भी टॉयलेट साफ करते फिरते हो। लेकिन बिंदेश्वर पाठक ठान बैठे थे कि उन्हें ऐसा कुछ करना है जिससे सबकी सोच बदली थी। कमोबेश, कुछ ही वर्षों में हुआ भी वैसा ही। जो लोग हंसी उड़ाते थे, बाद में उनकी प्रशंसा करने लगे। बिंदेश्वर पाठक का टॉयलेट मिशन कुछ ही सालों में देखते ही देखते जन आंदोलन में तब्दील हो गया। उनके जैसे इंसानों की आज बहुत कमी है। इसलिए उनके न रहने की खबर पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा। लेकिन नियति को शायद यही मंजूर था, उसके आगे भला किसका जोर? पंद्रह अगस्त को जब समूचा देश आजादी के पर्व में मग्न था, तब बिंदेश्वर पाठक अपने अंतिम सफर पर निकलने की तैयारी कर रहे थे। सुबह तड़के दिल्ली स्थित अपने कार्यालय पर उन्होंने स्वतंत्रता दिवस का जैसे ही झंडा फहराया और उसके तुरंत बाद जमीन पर बेहोश होकर गिर पड़े। ऐसा उनके साथ एकाध दफा पहले भी हुआ, तब परिजन उन्हें अस्पताल लेकर गए और ठीक हो गए? लेकिन शायद 15 अगस्त का दिन ईश्वर ने उन्हें अपने पास बुलाने के लिए मुकर्रर किया हुआ था।

इस बार वो ऐसे गिरे कि फिर उठ न पाए। बिंदेश्वर पाठक हिंदुस्तान में सार्वजनिक शौचालयों के प्रणेता थे। देशभर में सार्वजनिक स्थानों पर उन्होंने सुलभ शौचालयों का निर्माण करवाया। विशेषकर, बस अड्डे, बाजार, मॉल्स, पुलिस थानों आदि जगहों पर उन्होंने टॉयलेट स्थापित कर लोगों को सुविधाएं प्रदान कीं। हाईवे पर बने सुलभ शौचालय भी उनके मिशन का हिस्सा हैं। पाठक समाज के सच्चे प्रहरी थे, वह हमेशा औरों के लिए जीते थे। काम करने की उनकी ऊर्जा दूसरों को प्रेरणा देती थी। कोई काम छोटा नहीं होता, बस करने के लिए मन बड़ा होना चाहिए, इस युक्ति के साथ वो हमेशा आगे बढ़ते गए। बिंदेश्वर पाठक के अलहदा मानवीय कार्यों की छाप ऐसी थी कि उन्हें कई बड़े पुरस्कारों और सम्मान से नवाजा गया। केंद्र सरकार ने उनको पद्मभूषण पुरस्कार दिया। इसके अलावा कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मान भी उन्हें मिले, एनर्जी ग्लोब अवार्ड, बेस्ट प्रैक्टिस के लिए दुबई इंटरनेशनल अवार्ड, स्टॉकहोम वाटर प्राइज, पेरिस में फ्रांसीसी सीनेट से लीजेंड ऑफ प्लैनेट अवार्ड मिले। पाठक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर 'द मेकिंग ऑफ ए लीजेंड' पुस्तक भी लिखी थी जिसकी प्रधानमंत्री ने खुद सराहना की थी। पाठक को पुरस्कार देते हुए पोप जॉन पॉल द्वितीय ने कहा था कि वो पर्यावरण के सच्चे प्रेमी हैं, उनसे हम सभी को सीख लेनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन से पहले से वो इस मिशन में लगे थे। कहना गलत नहीं होगा कि केंद्र सरकार ने अपने साफ-सफाई वाले अभियान का श्रीगणेश पाठक के मिशन को देखकर ही किया। इसके लिए बाकायदा एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिंदेश्वर पाठक को अपने कार्यालय में बुलाकर मिशन की सफलता के संबंध में गहनता से जाना। उनसे सरकार ने सहयोग भी लिया। भले ही उनके इस अनोखे कार्य को देखकर सभी ने शुरुआती दिनों में मजाक उड़ाया हो पर, बाद में सबने सराहना की। बिंदेश्वर पाठक ने सुलभ इंटरनेशनल से न सिर्फ भारत, बल्कि समूची दुनिया में अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने आधुनिक तकनीकों और नवीनतम मानवीय सिद्धांतों के साथ कदमताल मिलाकर 1970 में सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन का श्रीगणेश किया था।

सुलभ शौचालय की शुरुआत कम संसाधन और सीमित आय से हुई। बहुत ही कम पूंजी के साथ और अकेले दम पर इतने बड़े मिशन की उन्होंने नींव रखी! उनके इस मिशन का मकसद था साफ-सफाई, मानव अधिकारों, पर्यावरण स्वच्छता, ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों, अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा देना। उनकी पहल अब दुनिया भर के विकासशील देशों में स्वच्छता का पर्याय बन चुकी है। पाठक का स्वच्छता आंदोलन स्वच्छता सुनिश्चित करता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को रोकता है। ग्रामीण समुदायों तक इन सुविधाओं को पहुंचाने के लिए इस तकनीक को अब दक्षिण अफ्रीका की ओर भी बढ़ा दिया है। ऐसे व्यक्ति का यूं चले जाना, निश्चित रूप से बड़ा आघात है। उनके न रहने की क्षति को कोई पूरा नहीं कर सकता।

आहार में जरूर शामिल करें मैग्नीशियम वाली चीजें

मैग्नीशियम के लिए इन चीजों का करें सेवन

वयस्क पुरुषों को रोजाना 400-420 ग्राम जबकि महिलाओं को 340-360 ग्राम की मात्रा में इस पोषक तत्व की आवश्यकता होती है। कई खाद्य पदार्थों में उच्च स्तर के मैग्नीशियम होते हैं, जिनमें नट्स और सीड्स, गहरी हरी सब्जियां, साबुत अनाज और फलियां शामिल हैं। एवोकाडो, आलू, केला आदि से भी शरीर के लिए आवश्यक मात्रा में मैग्नीशियम प्राप्त किया जा सकता है। आहार में इन चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

मस्तिष्क और शरीर के लिए महत्वपूर्ण है मैग्नीशियम

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए रोजाना कई प्रकार के विटामिन्स और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है। हमारे भोजन से ये सभी आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं, इसीलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को नियमित रूप से स्वस्थ और पौष्टिक चीजों के सेवन की सलाह देते हैं। आहार संबंधी गड़बड़ी के कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिसके कई प्रकार के दुष्प्रभाव होने का जोखिम रहता है। मैग्नीशियम ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जिससे भरपूर चीजों को भोजन में जरूर शामिल किया जाना चाहिए। शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को बेहतर रखने में इसकी आवश्यकता होती है। मैग्नीशियम की कमी के कारण कई बीमारियों का जटिलताओं के बढ़ने का भी खतरा रहता है। मैग्नीशियम आपके मस्तिष्क और शरीर के लिए महत्वपूर्ण है। हृदय, रक्त शर्करा के स्तर और मनोदशा सहित इसके कई लाभ हैं। यह पत्तेदार साग से लेकर नट्स, सीड्स और बीन्स जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है।

मैग्नीशियम की कमी

वयस्कों के शरीर में लगभग 25 ग्राम मैग्नीशियम होता है, जिसमें से 50-60 प्रतिशत कंकाल प्रणाली स्टोर करती है। बाकी मांसपेशियों, ऊतकों और शारीरिक में तरल पदार्थों में मौजूद होता है। मैग्नीशियम की कमी कई स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है। यह स्थिति तंत्रिकाओं से संबंधित विकारों के अलावा, हड्डियों की कमजोरी, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, पाचन की दिक्कत और ब्लड शुगर में बढ़ोतरी का भी कारण बन सकती है।

डायबिटीज को करता है कंट्रोल

अनुसंधान में मैग्नीशियम वाले आहारों को टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम कम करने वाला पाया गया है। ग्लूकोज नियंत्रण और इंसुलिन मेटाबॉलिज्म में मैग्नीशियम महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज में साल 2015 में प्रकाशित समीक्षा रिपोर्ट में मैग्नीशियम की कमी से इंसुलिन प्रतिरोध से जोड़कर देखा गया है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि मैग्नीशियम वाली चीजों के सेवन या सप्लीमेंट्स से इंसुलिन संवेदनशीलता में भी सुधार हो सकता है।

हड्डियों के लिए है जरूरी

शोध में पाया गया है कि हड्डियों के लिए विटामिन-डी और कैल्शियम के साथ-साथ मैग्नीशियम वाली चीजों का सेवन करना भी जरूरी होता है। स्वस्थ हड्डियों के निर्माण के लिए भी मैग्नीशियम आवश्यक है। शोध में पाया गया कि मैग्नीशियम वाली चीजों का सेवन रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में हड्डियों के घनत्व को ठीक रखने और ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम करने में लाभकारी हो सकता है। यह पोषक तत्व कैल्शियम और विटामिन-डी के स्तर को विनियमित करने में मदद करता है।

हंसना मना है

सिपाही-घटना स्थल से थानेदार को फोन लगाकर बोला, जनाब यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी! थानेदार-क्यों? सिपाही- क्योंकि उसका पति पोछा लगे हुए गीले फर्श पर चलने लगा था! थानेदार- तुमने गिरफ्तार कर लिया उसको! सिपाही- नहीं साहब, पोछा अभी सूखा नही है.!

एक मुर्गी के बच्चे ने अपनी मां से पूछा? मां- इंसान पैदा होते ही अपना नाम रख लेते हैं, हमलोग अपना नाम क्यों नहीं रखते, मां ने कहां-बेटा, अपनी बिरादरी में नाम मरने के बाद रखा जाता है! चिकेन टिक्का, चिकेन चिली, चिकेन तंदूरी, चिकेन मलाई, चिकेन कढ़ाई..

परीक्षा में एक लड़की ने बगल वाली सीट पर बैठे लड़के से पूछा कि यमक अलंकार की परिभाषा बताओ एक उदाहरण के साथ, लड़के ने बोला- जब एक ही शब्द दो बार आवे और दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न भिन्न हो तो उसे यमक अलंकार कहते हैं, जैसे- तुम रूठा ना करो, मेरी जान! मेरी जान निकल जाती है। लड़के को नोबल पुरस्कार देने पर विचार किया जा रहा है.?

लड़का- तुम लड़कियां विदाई के टाइम इतना रोती क्यों हो? लड़की- जब तू जाएगा ना, बिना तनख्वाह के दूसरे के घर का काम करने तो तू भी रोयेगा।

कहानी | मेंढक और चूहा

घने जंगल में एक छोटा-सा जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहा करता था। उसे एक दोस्त की तलाश थी। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा कि मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे मैं ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' इतना सुनते ही चूहे ने उछलते हुए जवाब दिया कि अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं तो अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। ये सोचते-सोचते चालाक मेंढक ने चूहे से कहा, 'दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरों की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा, 'हां जरूर, दुष्ट मेंढक फटाक से बोला, 'एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा एक पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। जैसे ही उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा।

वृषभ

जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें।

मिथुन

जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क

किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या

संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला

थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु

कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर

सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगे।

कुम्भ

मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कारोबार मनोनुकूल रहेगा।

मीन

दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म 'खून भरी मांग' की शूटिंग के दौरान बढ़ गई थी मेरी धड़कन : राकेश

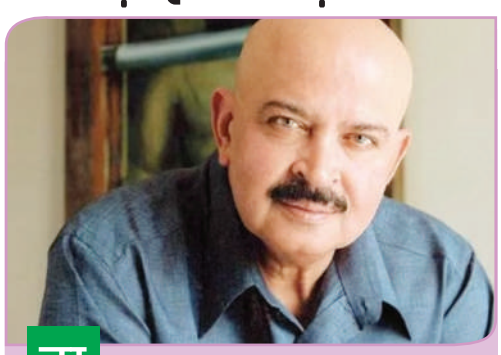

राकेश रोशन के निर्देशन में बनी फिल्म 'खून भरी मांग' की रिलीज को 35 साल पूरे हो चुके हैं। साल 1988 में आई इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। आज ये फिल्म बॉलीवुड की क्लासिक फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म में रेखा के आइकॉनिक लुक्स को दर्शक आज भी नहीं भूले हैं। फिल्म की रिलीज को 35 साल होने पर डायरेक्टर राकेश रोशन ने फिल्म की लीड एक्ट्रेस और इस फिल्म से जुड़े कुछ मजेदार किस्से साझा किए हैं। राकेश रोशन ने बताया कि इस फिल्म के लिए हमेशा से रेखा ही उनकी पहली पसंद थीं। उन्होंने रेखा को ध्यान में रखते हुए ही फिल्म की स्क्रिप्ट लिखी थी और स्क्रिप्ट खत्म करते ही वह एक्ट्रेस के पास पहुंच गए थे। राकेश रोशन के मुताबिक 'खून भरी मांग' की स्क्रिप्ट सुनते ही रेखा काफी उत्साहित हो उठी थीं। इस क्लासिक फिल्म के बारे में आगे बात करते हुए राकेश रोशन कहते हैं, फिल्म की स्क्रिप्ट लिखते हुए मेरे दिमाग में कोई स्टारकास्ट नहीं थी। मुझे बस पता था कि रेखा मेरी फिल्म में लीड रोल अदा करने वाली हैं। वह इस रोल के लिए सबसे बेस्ट थीं। वह इंडियन और वेस्टर्न दोनों ही लुक में काफी खूबसूरत लगती हैं। फिल्म के बारे में आगे बात करते हुए उन्होंने बताया कि इस फिल्म के एक सीन के लिए रेखा को घुड़सवारी करनी थी, लेकिन उन्होंने पहले कभी घुड़सवारी नहीं की थी। वह कहते हैं, एक ही रंग के चार घोड़े थे और रेखा को उनमें से किसी एक पर सवारी करनी थी। जब सीन शूट करने का वक्त आया तो उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने पहले कभी घुड़सवारी नहीं की है। डायरेक्टर ने आगे बताया कि रेखा ने उन्हें आश्वासन दिया कि भले ही उन्होंने पहले कभी घुड़सवारी नहीं की थी,लेकिन वह फिल्म के लिए कर लेंगी। इंटरव्यू में एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए राकेश रोशन ने कहा कि रेखा को देखकर ये कहना बहुत मुश्किल था कि वह पहली बार घुड़सवारी कर रही है। हालांकि, उस पूरे सीन के दौरान निर्देशक के दिल की धड़कन बड़ी हुई थी कि कहीं एक्ट्रेस गिर न जाएं।

'खुशी' के प्रचार के दौरान फैंस के प्यार को देखकर

भावुक हुईं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही फिल्म खुशी में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ विजय देवरकोंडा भी हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था। फिलहाल, दोनों सितारे इस फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने हैदराबाद में आयोजित फिल्म के संगीत समारोह में पहुंची थीं। इवेंट में फैंस के प्यार को देखकर सामंथा भावुक हो गईं। कार्यक्रम में उन्होंने अपनी फिल्मों से उन सभी का मनोरंजन करने के लिए कड़ी मेहनत करने और पूरी तरह स्वस्थ होकर वापस आने का वादा किया। बता दें कि सामंथा ने हाल ही में सिटाडेल-इंडिया की शूटिंग पूरी की थी, इसके बाद उन्होंने काम से ब्रेक ले लिया। फिलहाल, वह मायोसिटिस नाम की बीमारी से रिवकर कर रही हैं।

इवेंट में उन्होंने कहा,आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे नहीं पता कि क्या कहूं। मैं आपके लिए कड़ी मेहनत करूंगी। मैं पूरी तरह स्वस्थ्य होकर वापस आऊंगी और एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दूंगी। मैं आपसे वादा करती हूं। इस प्यार के कारण ऐसा करूंगी। खुशी की बात करें तो इसका निर्देशन शिव निर्वाण ने किया है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें विजय देवरकोंडा और सामंथा लीड रोल में हैं। यह फिल्म एक सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले, निर्माताओं ने नौ अगस्त को ट्रेलर लॉन्च किया था। वहीं, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मेकर्स ने कॉन्सर्ट का आयोजन किया था। फिल्म में सचिन खेडेकर, सरन्या पोनवन्नन, मुरली शर्मा, लक्ष्मी, रोहिणी, वेनेला किशोर, जयराम और राहुल रामकृष्ण जैसे कलाकार भी नजर आने वाले हैं। मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में संगीत हेशम अब्दुल वहाब

किंग खान के साथ काम करना चाहती हैं फारिया

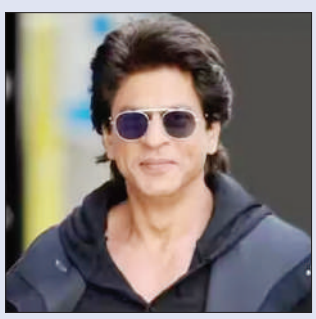

हिंदी सिनेमा के बादशाह अभिनेता शाहरुख खान वर्तमान में उन सितारों में से एक हैं, जिनके साथ काम करना कई नवोदित कलाकारों का सपना होता है। सोनी लिव पर हालिया प्रदर्शित वेब सीरीज द जेंगाबुरू कर्स से हिंदी वेब सीरीज की दुनिया में कदम रखने वाली अभिनेत्री फारिया अब्दुला भी उन्हीं नवोदित कलाकारों में शामिल है।

कई दक्षिण भारतीय फिल्में कर चुकी फारिया ने अपने इस सपने को साकार करने के लिए शाहरुख की आगामी फिल्म जवान के लिए भी ऑडिशन दिया था, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में फारिया बताती हैं, 'ऑडिशन के लिए मुझे मुंबई बुलाया गया था, मैंने एक राउंड ऑडिशन दिया था। यह ऑडिशन एक एक्शन आधारित भूमिका के लिए थी, जो फिल्म के ट्रेलर में दिखी शाहरुख के लड़कियों की टीम में से एक होती है। सान्या मल्होत्रा भी उसी टीम में से एक हैं। मुझे ऑडिशन देने के दौरान ही यह सोचकर मजा आया था कि मैं रेड चिलीज के लिए और शाहरुख खान के साथ काम करने के लिए ऑडिशन दे रही हूं। उस समय तो मैं ऑडिशन से ही खुश थी। ऑडिशन के बाद कभी आपका चुनाव होता है और कभी नहीं होता। जवान में मेरा चुनाव नहीं हुआ।' द जेंगाबुरू कर्स के बाद हिंदी सिनेमा को लेकर अपनी उम्मीदों पर फारिया कहती हैं, 'मेरे बड़े-बड़े सपने हैं और बचपन से जिन फिल्मों, निर्देशक और कलाकारों से प्रेरणा मिली है, वो सब यही (हिंदी सिनेमा) से हैं।

एक बार में 30 अंडे तक देती है मादा कोबरा, पीले वाले अंडे से नर तो धारीदार से होता है मादा का जन्म

किंग कोबरा प्रजाति के सांप ज्यादातर भारत और एशिया के अन्य देशों में पाए जाते हैं। इनका जीवन काल 20 से 25 साल तक होता है। यानी इतने दिनों तक ये जिंदा रह सकते हैं। इस नस्ल के सांपों की लंबाई आमतौर पर 10 से 13 फीट तक होती है।

सबसे जहरीले सांपों में से एक किंग कोबरा भारत, मलेशिया, इंडोनेशिया, म्यांमार और बांग्लादेश में पाए जाते हैं। यह कई दिनों तक भूखा रह सकता है। लेकिन अगर खाने का मन हो तो अन्य जहरीले सांपों को भी यह खा जाता है। सबसे इंट्रेस्टिंग फैक्ट, कोबरा डंस ले तो यह जरूरी नहीं कि उसने शरीर में अपना जहर भी डाला है। यह कई बार बिना जहर दिए भी किसी को काट सकता है, क्योंकि यह जहर देना खुद तय करते हैं। अगर जहर नहीं डाला तो इंसान का बचना आसान है। इस सांप की नस्ल की डिमांड इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि मादा किंग कोबरा सबसे ज्यादा अंडे देती है। वह घोंसला बनाकर अंडे देती है और उनकी रक्षा भी स्वयं करती है। यहां तक कि किसी भी परिचित सांपों को भी उनके पास फटकने नहीं देती।

मादा किंग कोबरा एक बार में 10 से 30 अंडे तक देती है। आमतौर पर अप्रैल-जुलाई में अंडे निकलते हैं। यह अंडे 45 से 70 दिनों में फूटते हैं और तब जाकर उनमें से किंग कोबरा का जन्म होता है। मादा किंग कोबरा जब अंडे देती है तो पहले उसका चौड़ा बेस बनाती है। और फिर पहाड़ की तरह एक के ऊपर एक के क्रम में अंडे देती है। स्वर्ण के समान पीला दिखने वाले अंडों से नर सांप जबकि लंबी धारीदार रेखाओं वाले अंडों से मादा कोबरा का जन्म होता है। अंडों से निकले बच्चों की लंबाई 20 से 30 सेंटीमीटर यानी 8 से 12 इंच तक होती है। सात दिनों तक इनका रंग सफेद होता है, जबकिउसके बाद काला होने लगता है। दांत निकल आते हैं और सिर्फ 21 दिन के अंदर इनमें विष पैदा होने लगता है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है भूतों का शहर!

यहां बने हैं एक से बढ़कर एक खूबसूरत बंगले, पर खरीदने नहीं आया इन्हें कोई

कहते हैं मकान वीरान और बंजर होते हैं और इनमें रहने वाले ही इन्हें घर बनाते हैं। ये बात भी कहीं से भी गलत नहीं है क्योंकि बिना इंसानों के घरों के ईंट-पत्थरों का कोई मोल नहीं रह जाता है। इसी बात की तस्दीक करता है पड़ोसी देश में चीन में बनाया गया एक आलीशान शहर, जो भूतिया शहर बन गया। यहां दूर-दूर तक कोई इंसान नहीं है, हालांकि खूबसूरत घर मौजूद हैं।

जिस ज़माने में इंसान सुंदर घर के लिए कोई भी कीमत देने को तैयार रहता है, उस ज़माने में संगमरमर और कीमत पत्थरों से बने हुए एक से बढ़कर एक बंगले खाली पड़े रहें, तो बात पचती नहीं है। चीन के उत्तरी पूर्वी प्रांत ग्रीनलैंड में ऐसा ही हुआ है। यहां कभी देश के सबसे रईस लोगों का ठिकाना होना था, लेकिन अब यहां सिर्फ भूत-प्रेत ही बसते हैं।

वेबसाइट ऑडिटी सेंट्रल के मुताबिक ग्रीनलैंडके लियाओनिंग में चीन के सबसे अमीर लोगों के लिए 260 विला के गेस्ट मेंशन प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई थी। ये मामला साल 2010 का है, जिसे ग्रीनलैंड कंपनी ने शुरू किया था। दो साल तक यहां ज़ोर-शोर से काम भी हुआ, जिसकी तमाम तस्वीरें मौजूद हैं लेकिन अचानक ही इस प्रोजेक्ट को अधर में छोड़ दिया गया। इसकी सही-सही वजह कोई नहीं बता पाया। कुछ लोगों ने कहा फंड की कमी थी तो कुछ का कहना है कि खरीदने वाले ही नहीं मिले। यहां आधे-अधूरे बने घरों को कोई पूछने भी नहीं आया और आज की तारीख में ये किसी भूतहे शहर से कम नहीं है।

ये पूरा शहर किसी उजाड़ जंगल जैसा लगता है, जहां अब किसानों ने कब्ज़ा कर लिया है। विला और मेंशन में उनके मवेशी बंधते हैं और छोड़ी हुई ज़मीनों पर किसानों ने फसल लगानी शुरू कर दी है। घर के अंदर के हिस्से में पेड़-पौधे उग आए हैं और खूबसूरत इंटीरियर के बीच गाय-बछड़े घूमते रहते हैं। वैसे चीन में ये अकेला भूतिया शहर नहीं है, इसके अलावा भी कई प्लांड सिटीज़ खाली ही पड़ी हुई हैं।

पता नहीं किसको खुश करना चाहते हैं आजाद : उमर

» गुलाम नबी के धर्मांतरण से जुड़े बयान पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। डीपीएपी प्रमुख गुलाम नबी आजाद के मुसलमान ज्यादातर हिंदू धर्म से धर्मांतरित वाले बयान के बारे में पूछे जाने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा,मुझे नहीं पता कि उन्होंने यह किस संदर्भ में कहा है। ऐसा कहकर वह किसे खुश करना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा एनसी संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला का नाम श्रीनगर स्थित कन्वेंशन सेंटर समेत सरकारी इमारतों से हटाने के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि उनका नाम कोई नहीं मिटा सकता। लोगों के दिलों में उनका नाम है।

उन्होंने कहा, आप (सरकार) इमारतों से उनका नाम हटा सकते हैं, लेकिन (लोगों के) दिलों से नहीं। यदि आप एसकेआईसीसी या क्रिकेट स्टेडियम या अस्पतालों से शेर-ए-कश्मीर का नाम हटा देते हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। आप सच्चाई को छिपा नहीं सकते। आप नाम हटा दें, लेकिन कल दूसरी सरकार आएगी, वह इसे वापस ले आएगी। लेकिन याद रखें, शेर-ए-कश्मीर का नाम नहीं मिटेगा। जो लोग उसका नाम हटा रहे हैं, उन्हें कोई याद नहीं रखेगा।जेकेएसएसआरबी द्वारा विज्ञापित विभिन्न पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रशासन द्वारा एक अन्य एजेंसी टीसीएस को लाने के सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार भर्तियां पूरी करने में विफल रही है। टीसीएस लाने की कोई जरूरत नहीं थी। जेकेएसएसआरबी को मजबूत बनाया जाना चाहिए। इसमें सही लोगों को लाया जाना चाहिए। जब ऐसा किया जाएगा तो प्रक्रिया सही हो जाएगी।

और पीछे जाएं आजाद, उनके पूर्वज बंदर मिलेंगे : महबूबा मुफ्ती

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आजाद पर तंज करते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि वह कितना पीछे चले गए और उन्हें अपने पूर्वजों के बारे में क्या ज्ञान है, मैं उसे बहुत पीछे जाने की सलाह दूंगी और हो सकता है कि उसे वहां पूर्वजों में कुछ बंदर मिल जाएं। लगभग पांच दशकों के बाद कांग्रेस पार्टी से अलग होने के बाद 26 सितंबर, 2022 को गुलाम नबी आज़ाद ने अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी बनाई। पूर्व कांग्रेस नेता अपने इस्तीफे के बाद से सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस की लगातार आलोचना कर रहे हैं।

ये सिर्फ चुनावी हिंदू : रामेश्वर

वहीं, इस पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि हमने तो कल ही कहा था कि यह चुनावी हिंदू है। एक दिन में ही इनका असली चेहरा सामने आ गया। असल में यह हिंदू समर्थक नहीं बल्कि जिन्ना समर्थक है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठन अपने कार्यों के दम पर चल रहे हैं। उन्हें कांग्रेस या दिग्विजय सिंह जैसे लोगों की मदद की न कल जरूरत थी ना आज है और ना आगे होगी।

सिमी व बजरंग एक सिक्के के दो पहलू : दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश में हिंदू और हिंदुत्व को लेकर सियासत जारी है। एक दिन पहले कांग्रेस की सरकार बनने पर बजरंग दल पर बैन नहीं लगाने के बाद गुरुवार को दिग्विजय सिंह अपने बयान से यूटर्न ले लिया। इस पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी पलटवार किया है। पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने ट्वीट किया कि मैंने मध्य प्रदेश का सीएम रहते भाजपा नेतृत्व वाली तत्कालीन एनडी सरकार से बजरंग दल और सिमी पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। उन्होंने सिमी पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन बजरंग दल पर नहीं। हिंदू और मुस्लिम धार्मिक कट्टरपंथी दोनों एक ही सिक्के दो पहलू हैं। कांग्रेस ने हमेशा ऐसी ताकतों से लड़ाई लड़ी है, जो धर्म को राजनीतिक हथियारके रूप में इस्तेमाल करते हैं, कि अवैध है और ऐसा करना जारी रहेगा।

हिम्मत हो तो गडकरी पर दर्ज करें केस : अरुण यादव

» 50 प्रतिशत कमीशन को लेकर कांग्रेस का बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। इससे पहले मध्य प्रदेश में 50 प्रतिशत कमीशन के वायरल पत्र को लेकर सियासत खत्म होती नहीं दिख रही है। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को परिवहन विभाग के चेक पोस्ट पर रिश्वतखोरी को लेकर लिखे एक साल पुराना पत्र शेयर किया है।

साथ ही सरकार पर हमला करते हुए लिखा कि कमीशनखोरों हिम्मत है तो अब एफआईआर करके दिखाओ। मध्य प्रदेश में 50 प्रतिशत कमीशन के वायरल पत्र पर भाजपा ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रदेश के कई जिलों में एफआईआर कराई है। इस पर कांग्रेस के नेताओं ने जांच करने के बजाए एफआईआर कर सरकार पर कार्यकर्ताओं को डराने का आरोप लगाया था। इसके बाद से भाजपा और कांग्रेस दोनों के बीच सियासी आरोप-प्रत्यारोप का पारा चढ़ा हुआ है। अब मामले में अरुण यादव ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का प्रदेश सरकार को लिखा एक पत्र शेयर किया है। यह पत्र करीब एक साल पुराना है।

परिवहन विभाग के चेक पोस्टों पर हो रही रिश्वतखोरी पर गडकरी ने लिखी थी चिट्ठी

इसमें परिवहन विभाग के चेक पोस्टों पर हो रही रिश्वतखोरी का उल्लेख किया गया। जिस पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई। इस पत्र को शेयर कर अरुण यादव ने लिखा कि केंद्र सरकार द्वारा रिश्वतखोरी का सर्टिफिकेट। उन्होंने लिखा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को लिखे अपने पत्र में परिवहन विभाग के चेक पोस्टों पर हो रही भारी भरकम रिश्वतखोरी का प्रमाण पत्र जारी किया था, कमीशनखोरों/ रिश्वतखोरों हिम्मत है तो इनके खिलाफ भी एफआईआर करके दिखाओ। यादव ने आगे लिखा द्वह भ्रष्टाचार क्या यह आरोप घर से जुड़ा हुआ है।

बीजेपी हमारी योजनाओं पर अटैक करेगी तो हमें लाभ मिलेगा : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मीडिया से रूबरू होकर कहा है कि जिन योजनाओं को बीजेपी चुनावी रेवड़ियां बांटने की बात कहकर हमारी सरकार पर निशाना लगा रही है। हम तो खुद ही चाहते हैं कि बीजेपी हमारी योजनाओं पर अटैक करती जाए, जितना अटैक करेगी, हमें लाभ मिलेगा, ये हमारा एजेंडा और नेरेटिव है।

गहलोत सरकार की जिन योजनाओं को बीजेपी चुनावी रेवड़ियां बांटने की बात कह रही है, जिनमें फ्री स्मार्टफोन, फ्री बिजली, अन्नपूर्णा राशन किट, 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शामिल हैं। सीएम गहलोत ने कहा कि बीजेपी के पास कुछ कहने को नहीं है। हम खुद चाहते हैं कि वो निशाना साधते रहें, क्योंकि हमारा एजेंडा बना हुआ है और ये नेरेटिव, कि वो हमारी योजनाओं पर अटैक करते जाएं, जितना वो अटैक करेंगे, हमें उसका लाभ मिलेगा, क्योंकि जनता तक वो योजनाएं और गहराई तक पहुंचेंगी।

हिमाचल में शवों के मिलने का सिलसिला जारी

» समरहिल में भूस्खलन, मृतकों की संख्या 15 हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। राजधानी के समरहिल के शिव बावड़ी मंदिर में भूस्खलन के कारण मारे गए लोगों के शवों का मिलना जारी है। शवों को खोजने के लिए चलाए जा रहे अभियान के पांचवें दिन शुक्रवार को एक और बॉडी मिली है। इस घटना में मृतकों की संख्या अब 15 पहुंच गई है। शव घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूरी पर मिला है।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस के जवान शव को मलबे से निकाल रहे हैं।बीते दिन वश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं यूआईटी के पूर्व निदेशक प्रो. पीएल शर्मा का शव मिला। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ तथा पुलिस के जवानों को मंदिर से करीब पांच सौ मीटर दूर नाले में मिट्टी के नीचे यह शव मिला। इनकी पत्नी का शव पहले मिल चुका है और बेटा अभी लापता है। शव की पहचान उनके साले सुभाष ने हाथ में पहनी अंगूठी से की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए आईजीएमसी भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक संजय गांधी भी मौके पर पहुंचे और सर्च अभियान का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि घटना के बाद से परिजनों द्वारा पुलिस को दी सूचना के अनुसार 21 स्थानीय लोग लापता हैं। एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर नफीस खान ने बताया कि रोज सुबह साढ़े छह बजे से सर्च ऑपरेशन शुरू होता है, रात नौ बजे तक अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू ने भी मौके का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि लापता लोगों को खोजने का कार्य किया जा रहा है। भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए जवानों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। सर्च अभियान का स्वास्थ्य मंत्री धनी राम शांडिल भी जायजा लेते रहे। इसके साथ जो लोग लापता हैं उनके परिजन भी मौके पर डटे हुए हैं।

विश्व चैंपियनशिप में भारत ने साधा कांसे पर निशाना

» भारतीय पुरुष एयर पिस्टल टीम ओलंपिक कोटे से चूकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाकू। भारत का आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में अभियान प्रभावहीन तरीके से शुरू हुआ जब प्रतिस्पर्धा पेश कर रहे छह 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजों में से कोई भी 2024 पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाया लेकिन भारतीय पुरुष दस मीटर एयर पिस्टल टीम ने कांस्य पदक जीता।

भारतीय टीम के सदस्यों शिवा नरवाल, सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा ने 1734 अंक बनाये। जर्मनी की टीम उनसे नौ अंक आगे रहकर रजत पदक जीतने में कामयाब रही। चीन की टीम ने 1749 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। नरवाल ने 579, सरबजोत ने 578 और चीमा ने 577 अंक हासिल किये। चीन की टीम में झेंग बोवेन (587), ल्यू जुनहुई (582) और शी यू (580) शामिल थे। जर्मनी के लिए रोबिन वाल्टर ने 586, माइकल श्वाल्ड ने 581 जबकि पॉल फ्रोइलिच ने 576 अंक जुटाए। चीन ने दांव पर लगे चारों स्वर्ण पदक जीते जबकि व्यक्तिगत वर्ग में भारत का कोई निशानेबाज आठ खिलाड़ियों के फाइनल में जगह नहीं बना सका। क्वालीफिकेशन दौर के बाद नरवाल 17वें जबकि सरबजोत 18वें स्थान पर रहे। चीमा ने 26वां स्थान हासिल किया। व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक चीन के बोवेन (244.3) ने जीता। सर्बिया के दामिर मिकेच (240.8) को रजत जबकि बुल्गारिया के किरिल किरोव (215.7) को कांस्य पदक मिला।

महिला टीम 11वें स्थान पर

महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में ईशा सिंह (572), पलक (570) और दिव्या टीएस (566) की टीम 1708 अंक के साथ 11वें स्थान पर रही और फाइनल में जगह नहीं बना सकी। चीन ने 1728 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि हंगरी (1726) को रजत और ईरान (1724) को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत वर्ग में इशा क्वालीफिकेशन में 32वें, पलक 40वें और दिव्या 66वें स्थान पर रहीं। चीन की जियांग रेनशिन (239.8) ने स्वर्ण पदक जीता। यह टूर्नामेंट 2024 पेरिस ओलंपिक का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

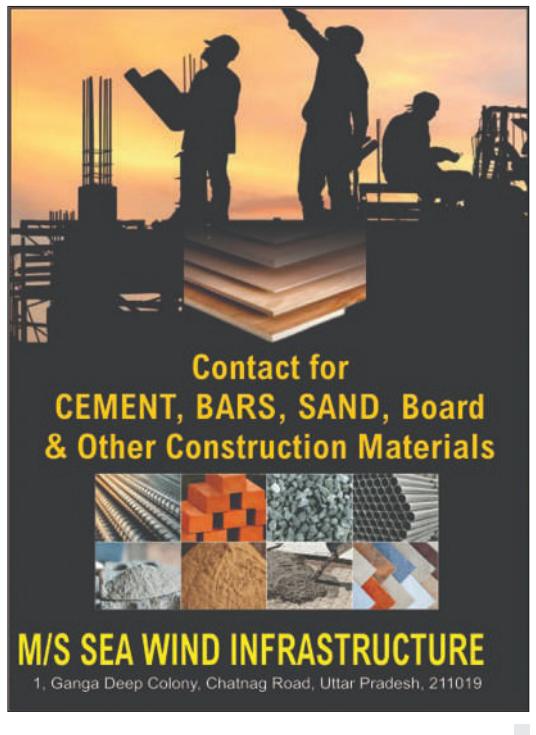

ई-टेंडर न होने से भ्रष्टाचारियों की पौ बारह

राहुल कनौजिया, फार्म कीपर, लिपिक

» नगर निगम में टेंडर फार्म खरीदना है तो श्रीमान को चढ़ाएं चढ़ावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सदन में सामान्य प्रक्रिया से टेंडर प्रक्रिया फिर से चालू करने के निर्णय से भ्रष्ट में लिप्त बाबू व ठेकेदारों की बांछे खिल गई है। दरअसल पिछले एकसाल नगर निगम में टेंडर के लिए ई- प्रणाली लागू करने की कवायद चल रही पर उसमें कामयबी नहीं मिल पा रही थी, इससे विकास के काम प्रभावित हो रहे थे इसी मद्देनजर सदन ने समान्य टेंडरिंग प्रक्रिया को लागू कर दिया गया, पर इसकी आड़ में नगर निगम के टेंडरों से जुड़े कर्मचारी व अधिका री फार्मो में गोरखधंधा कर रहे है।

सूत्रों के अनुसार नगर आयुक्त द्वारा ई टेंडरिंग लागू करने ठेकेदारों और बाबुओं को हानि हुई। बीते सदन में समस्त कार्यों के टेंडर सामान्य प्रक्रिया से किए जाने पर सहमति बनी। ई टेंडरिंग सें बाबूओं को लाभ नहीं हो पाता था, जबकि सामान्य टेंडर की खरीद फरोख्त में धांधली की जा सकती और कमाई भी की जा सकती है। सामान्य टेंडर की प्रक्रिया में मुख्य रूप से फार्म कीपर का अहम रोल होता है। नियम के अनुसार निविदा के समस्त प्रपत्र फार्म कीपर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता या मुख्य एवम वित्त लेखा अधिकारी के लेखा विभाग से विक्रय किए जाने चाहिए।

फार्म कीपर अपने पास ही रखता है 99 प्रतिशत निविदा फार्म

परंतु फार्म कीपर पद पर अधिष्ठान विभाग में तैनात बाबू 99 प्रतिशत निविदा के फार्म अपने कार्यालय से बेच कर टेंडरों को प्रबंधित करने का कार्य कई वर्षो से कर रहा है। सूत्र बताते है अगर किसी इंजीनियरिंग विभाग का बाबू निविदा के पेपर किसी अन्य विभाग में क्रय करने के लिए ठेकेदारों को कहता है जिससे टेंडर में पारदर्शिता बनी रहे तो इसके द्वारा अन्य अभियंत्रण विभाग के बाबुओं को इस फार्म कीपर द्वारा जनसूचना, विधि विभाग या विद्यालय स्थांनातरण किए जाने की धमकी दी जाती है। फार्मकीपर के विभाग में भ्रष्टाचार की चरम सीमा परहै। वर्षो से तैनात फार्मकीपर बाबू द्वारा कर्मचारियों की पत्रावली, सर्विस बुक गुम करने के साथ साथ विभागीय कार्यों में प्रयोग होने वाली सामग्री को बाबुओं को नहीं दिया जाता। कई नगर निगम का भला सोचने वाले बाबुओं ने अपना नाम न बताने पर सामान्य टेंडर प्रक्रिया में फार्म कीपर द्वारा बिक्री और मैनेज टेंडरों के विषय में जानकारी दी है । फार्म कीपर कई बार धमकी भी देता है।

नगर आयुक्त ने कई बार की ई-टेंडरिंग की कोशिश

नगर आयुक्त के लाख प्रयासों के पास नगर निगम में ई-टेंडर की कार्य प्रणाली लागू न हो सकी। सूत्र बताते है कि सामान्य टेंडर के स्थान पर नगर आयुक्त ने ई-टेंडर के माध्यम से टेंडर कराने का भरपूर प्रयास किया लगभग 70 प्रतिशत निविदाएं पूर्व 1 वर्ष में ई - टेंडर प्रक्रिया के अधीन हुई भी जिससे नगर निगम को लाखो रुपए का राजस्व में लाभ हुआ।

"मैं अपना काम ईमानदारी कर रहा हूं। 11 साल से मैं नगर निगम में विभिन्न पदों पर रहा मेरे ऊपर आज तक कोई आरोप नहीं लगे हैं।
राहुल कनौजिया, फार्म कीपर, लिपिक

बाइक से विश्व यात्रा पर निकले दम्पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बांग्लादेशी नागरिक मुसद्दक चौधरी अपनी पत्नी मलीहा अहमदा के साथ उमरा करने के लिए सऊदी अरब की अपनी चार महीने की यात्रा के दौरान शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। दोनों ने बांग्लादेश से यात्रा की। दोनों ने पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में प्रवेश किया। उसके बाद वह झारखंड व बिहार से होते हुए उत्तर प्रदेश पहुंचे। उसके बाद वह दिल्ली जाएंगे वहा से अमृतसर वहां से दोनो दम्पति पाकिस्तान से अफगानिस्तान जाएंगे।

» बांग्लादेशी नागरिक मुसद्दक व पत्नी मलीहा पहुंचे लखनऊ

वहां से वे दोनो मध्य एशियाई देशों की यात्रा करेंगेरे। वहां से फिर अफगानिस्तान वापस आएंगे। उसके बाद दोनो पति-पत्नी ईरान, संयुक्त अरब अमीरात से सऊदी अरब में 2-3 महीने का ब्रेक लेगे। दोनों ब्रिटेन का नागरिक होने के नाते यूरोप में रहते हैं। अब दोनों ने सउदी अरब से आगे बढ़ने के लिए विश्व यात्रा पर जाने की योजना बनाई है।

लेह में पिता राजीव का जन्मदिन मनाएंगे राहुल

» अब 25 अगस्त तक रहेंगे लेह-लद्दाख में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह/जम्मू । कांग्रेस नेता राहुल गांधी का लेह-लद्दाख दौरा अब दो दिन से बढ़कर 25 अगस्त तक हो गया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का लद्दाख दौरा 25 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। जानकारी के अनुसार राहुल 20 अगस्त को पैंगोंग झील पर अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्मदिन मनाएंगे।

5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों, लद्दाख और जे-के में विभाजित किए जाने के बाद से राहुल की यह पहली लद्दाख यात्रा है। अपने प्रवास के दौरान वह करगिल मेमोरियल भी जाएंगे और युवाओं से बातचीत करेंगे। सूत्र ने आगे कहा कि वह लेह में एक फुटबॉल मैच भी देखेंगे। राहुल अपने कॉलेज के दिनों में फुटबॉल खिलाड़ी रहे हैं। वह 25 अगस्त को 30 सदस्यीय लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी)-कारगिल चुनाव की बैठक में भी भाग लेंगे। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 10 सितंबर को होने वाले कारगिल परिषद चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ चुनाव पूर्व गठबंधन बनाया है। राहुल गांधी गुरुवार को लद्दाख पहुंचे और लेह हवाई अड्डे पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। गौरतलब है कि अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष लेह नहीं जा सके थे। उन्होंने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर अपने भाषण के दौरान कहा था कि वह जल्द ही लेह का दौरा करेंगे।

फर्जी निकली फ्लाइट में बम की धमकी, नहीं मिला कोई संदिग्ध सामान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर विस्तार की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिसके बाद हड़कंप मच गया। शुक्रवार (18 अगस्त) को दिल्ली-पुणे फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। फ्लाइट के पहुंचते ही जांच शुरू कर दी गई कि कहीं उसमें कोई बम तो नहीं रखा है, सभी यात्रियों को फ्लाइट से सुरक्षित उतार लिया गया है।

पुलिस ने दर्ज किया केस

एयरपोर्ट पर आइसोलेशन बे में विमान की जांच चल रही है. सभी यात्रियों को उनके सामान के साथ सुरक्षित उतार लिया गया है, जीएमआर कॉल सेंटर को शुक्रवार को 8 बजकर 53 मिनट पर फ्लाइट में बम होने की कॉल मिली। अभी तक की जांच में कुछ नहीं मिला है, विमान में कोई भी संदिग्ध सामान नहीं मिला है, फ्लाइट को अंदर और बाहर पूर्ण तौर पर खंगाला गया लेकिन कोई भी विस्फोटक या संदिग्ध सामान नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक, फ्लाइट में कुछ भी संदिग्ध बरामद नहीं हुआ, तलाशी अभियान खत्म किया गया और बम की कॉल को हॉक्स कॉल डिक्लेयर किया गया, दिल्ली पुलिस फर्जी कॉल करके बम की झूठी जानकारी देने के मामले में एफआईआर दर्ज कर कॉलर की पहचान कर रही है।

फोटो: सुमित कुमार

बारिश गुरुवार को ही मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर सूचना जारी की थी कि रात से ही मौसम बदल सकता है बारिश हो सकती है। जिसके बाद रात में हल्की बारिश हुई और शुक्रवार सुबह झमाझम बारिश देखने को मिली। मौसम विभाग की भविष्यवाणी सही साबित हुई।

महिला समाख्या का प्रदर्शन पुलिस ने भेजा इको गार्डन

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। महिला समाख्या कार्यक्रम में समस्त कार्यरत कर्मचारियों ने समायोजन को लेकर हजरतगंज चौराहे पर प्रदर्शन किया गया। वहीं मौके पर पहुंची हजरतगंज पुलिस द्वारा सभी को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया गया।

महिलाओं का कहना है महिला समाख्या कार्यक्रम के तहत विगत 31 वर्षो से उत्तर प्रदेश के 19 जिलों गोरखपुर, मऊ, वाराणसी, बहराइच, सीतापुर प्रयागराज, चित्रकूट, कौशाम्बी चन्दौली, मथुरा, बुलन्दशहर, मुज्जफरनगर, जौनपुर, प्रतापगढ़, शामली, औरैया, सहारनपुर, श्रावस्ती तथा बलरामपुर में लगभग 20 लाख महिलाओं एवं किशोरियों के बीच संचालित रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जेंडर, नारी अदालत (कानून), नारी संजीवनी केन्द्र (स्वास्थ्य) साक्षरता शिविर (शिक्षा) को लेकर जागरूक किया गया। महिला समाख्या कार्यक्रम को अन्य सशक्तीकरण कार्यक्रम में समाहित कर दिया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।